आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

IFTM University, Moradabad, Uttar Pradesh

NAAC ACCREDITED

E-Content

IFTM University, Moradabad

MA SOCIOLOGY
SUB – SOCIAL ANTHROPOLOGY
Paper code – MASC 313

Topic – Social Anthropology
सामाजिक मानवशास्त्र

Unit 1- Definition , Nature , Scope and Relationship with Sociology

Dr Alka sharma
Deptt of Sociology & Social Work
School of Social Sciences

मानवशास्त्र

मानवशास्त्र या नृविज्ञान (Anthropology) मानव, उसके जेनेटिक्स, संस्कृति और समाज की वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अध्ययन है। इसके अंतर्गत मनुष्य के समाज के अतीत और वर्तमान के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। सामाजिक नृविज्ञान और सांस्कृतिक नृविज्ञान के तहत मानदंडों और समाज के मूल्यों का अध्ययन किया जाता है। भाषाई नृविज्ञान में पढ़ा जाता है कि कैसे भाषा, सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। जैविक या शारीरिक नृविज्ञान में मनुष्य के जैविक विकास का अध्ययन किया जाता है।

नृविज्ञान एक वैश्विक अनुशासन है, जिसमे मानविकी, सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञान को एक दूसरे का सामना करने के लिए मजबूर किया जाता है। मानव विज्ञान, प्राकृतिक विज्ञान के समेत मनुष्य उत्पत्ति, मानव शारीरिक लक्षण, मानव शरीर में बदलाव, मनुष्य प्रजातियों में आये बदलावों इत्यादि से ज्ञान की रचना करता है।

मानवशास्त्र का अर्थ
Meaning of Social Anthropology

शब्द "एंथ्रोपोलॉजी" दो ग्रीक शब्दों, एंथ्रोपोस (आदमी) और लॉजस (अध्ययन या विज्ञान) से लिया गया है। मानव विज्ञान, इस प्रकार, मनुष्य का विज्ञान है। निश्चित रूप से, यह व्युत्पत्ति संबंधी अर्थ बहुत व्यापक और सामान्य है। अधिक सटीक रूप से, नृविज्ञान को "मनुष्य का विज्ञान और उसके कार्य और व्यवहार" कहा जा सकता है। मानवविज्ञानी मानव प्रजाति और मानव व्यवहार के सभी पहलुओं, सभी स्थानों और हर समय, अपनी प्रागैतिहासिक सभ्यताओं के माध्यम से प्रजातियों की उत्पत्ति और विकास से लेकर वर्तमान स्थिति तक में रुचि रखते हैं।

मानव विज्ञान एक जैविक और एक सामाजिक विज्ञान दोनों है। यह एक ओर मनुष्य के साथ पशु साम्राज्य के सदस्य के रूप में और दूसरी ओर समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य के व्यवहार से संबंधित है।

मानवशास्त्र या नृविज्ञान) की शाखाएं
Scope of Social Anthropology

- सामाजिक सांस्कृतिक नृतत्व विज्ञान
  Sociocultural dance science
- प्रागैतिहासिक नृतत्व विज्ञान या आर्कियोलाजी
  Prehistoric Ethnology or Archeology
- भौतिक और जैव नृतत्व विज्ञान
  Physical and Bio-dance Sciences,
- भाषिक नृतत्तव विज्ञान
  Linguistic dance and science
- अनुप्रयुक्त नृतत्व विज्ञान
  Substitute Ethnology

सामाजिक-सांस्कृतिक नृतत्व विज्ञान
Sociocultural dance science

इसका संबंध सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवहार के विभिन्न पहलुओं, जैसे समूह और समुदायों के गठन और संस्कृतियों के विकास से है। इसमें सामाजिक-आर्थिक बदलावों, जैसे विभिन्न समुदायों और के बीच सांस्कृतिक भिन्नताओं और इस तरह की भिन्नताओं के कारणों; विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद; भाषाओं के विकास, टेक्नोलाजी के विकास और विभिन्न संस्कृतियों क बीच परिवर्तन की प्रवृत्तियों का अध्ययन किया जाता है।

प्रागैतिहासिक नृतत्व विज्ञान या पुरातत्व विज्ञान
Prehistoric Ethnology or Archeology

इसमें प्रतिमाओं, हड्डियों, सिक्कों और अन्य ऐतिहासिक पुरावशेषों के आधार पर इतिहास का पुनर्निर्धारण किया जाता है। इस तरह के अवशेषों की खोज से प्राचीन काल के लोगों के इतिहास का लेखन किया जाता है और सामाजिक रीति रिवाजों तथा परम्पराओं का पता लगाया जाता है। पुरातत्व वैज्ञानिक इस तरह की खोजों से उस काल की सामाजिक गतिविधियों का भी विश्लेषण करते हैं। वे अपनी खोज के मिलान समसामयिक अभिलेखों या ऐतिहासिक दस्तावेजों से करके प्राचीन मानव इतिहास का पुनर्निर्माण करते हैं।

भौतिक या जैव नृतत्व विज्ञान
Physical and Bio-dance Sciences

इस शाखा का संबंध आदि मानवों और मानव के पूर्वजों की भौतिक या जैव विशेषताओं तथा मानव जैसे अन्य जीवों, जैसे चिमपैन्जी, गोरिल्ला और बंदरों से समानताओं से है। यह शाखा विकास श्रृंखला के जरिए सामाजिक रीति रिवाजों को समझने का प्रयास करती है। यह जातियों के बीच भौतिक अंतरों की पहचान करती है और इस बात का भी पता लगाती है कि विभिन्न प्रजातियों ने किस तरह अपने आप को शारीरिक रूप से परिवेश के अनुरूप ढाला. इसमें यह भी अध्ययन किया जाता है कि विभिन्न परिवेशों का उनपर क्या असर पड़ा. जैव या भौतिक नृतत्व विज्ञान की अन्य उप शाखाएं और विभाग भी हैं जिनमें और भी अधिक विशेषज्ञता हासिल की जा सकती है। इनमें आदि मानव जीव विज्ञान, ओस्टियोलाजी (हड्डियों और कंकाल का अध्ययन), पैलीओएंथ्रोपोलाजी यानी पुरा नृतत्व विज्ञान और फोरेंसिक एंथ्रोपोलाजी.

भाषिक नृतत्व विज्ञान
Linguistic dance and science

इसमें मौखिक और लिखित भाषा की उत्पत्ति और विकास का अध्ययन किया जाता है। इसमें भाषाओं और बोलियों के तुलनात्मक अध्ययन की भी गुंजाइश है। इसके जरिए यह पता लगाया जाता है कि किस तरह सांस्कृतिक आदान प्रदान से विभिन्न संस्कृतियों भाषाओं पर असर पड़ा है और किस तरह भाषा विभिन्न सांस्कृतिक रीति रिवाजों और प्रथाओं की सूचक है। भाषायी नृतत्व विज्ञान सांस्कृतिक नृतत्व विज्ञान से घनिष्ठ रूप से संबद्ध है।

अनुप्रयुक्त नृतत्व विज्ञान
Substitute Ethnology

इसमें नृतत्व विज्ञान की अन्य शाखाओं से प्राप्त सूचनाओं का उपयोग किया जाता है और इन सूचनाओं के आधार पर संतति निरोध, स्वास्थ्य चिकित्सा, कुपोषण की रोकथाम, बाल अपराधों की रोकथाम, श्रम समस्या के समाधान, कारखानों में मजदूरों की समस्याओं के समाधान, खेती के तौर तरीकों में सुधार, जनजातीय कल्याण और उनके जबरन विस्थापन भूमि अधिग्रहण की स्थिति में जनजातीय लोगों के पुनर्वास के काम में सहायता ली जाती है।

समाजशास्त्र एवं मानव शास्त्र में संबंध

Relation Between Sociology and Social Anthropology

समाजशास्त्र एवं मानव शास्त्र में संबंध समाजशास्त्र एवं मानव शास्त्र दोनों एक दूसरे से इतने घनिष्ठ रूप से संबंध है कि क्रोबर ने इन्हें जुड़वा बहने कहा है समाजशास्त्र एवं मानव शास्त्र में घनिष्ठता के बावजूद भी नेता भी है जिससे निम्न बिंदुओं में देखा जा सकता है समाजशास्त्र मुख्यता आधुनिक या विकसित समाज का अध्ययन करता है जबकि मानव शास्त्र सरल समाज जनजातीय एवं कृषक समाज का अध्ययन करता है समाजशास्त्री अपने शोध पद्धति में प्रश्नावली एवं साक्षात्कार को अपनाते हैं जबकि मानव शास्त्री सहभागी अवलोकन को अपनाते हैं समाजशास्त्री सामाजिक घटनाओं का अध्ययन सामाजिक दृष्टिकोण से करता है जबकि मानव शास्त्री सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अतः समाजशास्त्र अन्य सामाजिक विज्ञानों की ना तो गृह स्वामिनी है और ना ही दासी बल्कि उसकी बहन है

सन्दर्भ सूची References

Beattie, John 1964 others cultures : Aims Methods and Achievements in Anthropology , London : R.K.P.

Beteille , A 1974, Six Essays in Comparative Sociology , New Delhi

Thank you